an>

title: Regarding missing of foundation stone laid by the President of India for a War Memorial at Khongjom in Manipur.

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल (दमोह) : अध्यक्ष महोदया, मैं एक बेहद लोक महत्व का सवाल आपके सामने रखना चाहता हूं। मैं इसमें आपका संरक्षण भी चाहता हूं। यह पहला अवसर है कि मुझे यह फैसला करने में कठिनाई हो रही है कि इस घटना की जवाबदेही किस व्यक्ति और संस्था पर जाएगी। किस पूर्वृति और सरकार पर जाएगी, यह फैसला करना मेरे बस का नहीं है, लेकिन मैं शर्मिंदा जरूर हूं। घटना मणिपुर की है जिसमें महामहिम राष्ट्रपति जी एक कार्यक्रम में गए। 1891 का युद्ध स्मारक जो मणिपुर की आजादी की अंग्रेजों के खिलाफ अंतिम लड़ाई लड़ी गई, जिसमें जो लोग शहीद हुए, उस स्मारक पर राष्ट्रपति जी पहुंचे। उन्होंने एक पत्थर सम्मान के तौर पर लगाया। दो घंटे बाद वह पत्थर गिर गया। वहां राज्यपाल थे, मुख्य मंत्री थे। मैं आपसे सिर्फ इतना निवेदन करना चाहता हूं, यह मामला भ्रष्टाचार का है या लापरवाही का है, यह मैं नहीं जानता। इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा, यह नहीं पता। लेकिन इतने ऐतिहासिक स्थान पर उन शहीदों का अपमान करने का मामला जरूर है। महामहिम राष्ट्रपति जिस कार्यक्रम में हों और दो घंटे बाद पत्थर गिर जाए, यह मामला भ्रष्टाचार का है या लापरवाही का है, यह फैसला करना भी कठिन होगा। लेकिन मणिपुर सरकार इस बात के लिए जरूर जिम्मेदार है।

मैं ये मामले पहले भी उठाता रहा हूं। मणिपुर ऐसा राज्य है जहां वर्ष 2000 के बाद किसी भी सरकारी कार्यक्रम, विद्यालय या महाविद्यालय में राष्ट्र गीत नहीं होता, जन-गण-मन नहीं गाया जा सकता। इसलिए यह संदर्भित घटना बहुत गंभीर है। सरकार क्या करेगी, मुझे नहीं पता, लेकिन आसन को जरूर यह चिन्ता करनी चाहिए कि इतने गंभीर मामलों में कम से कम कुछ कार्यवाही हो अन्यथा ये परिस्थितियां बिगड़ेंगी। मैं इस सदन में पहले भी चार बार कह चुका हूं कि वहां नौ-नौ लाशें रखी रहती हैं, अंत्येष्टि नहीं होती। ये घटनाएं अचानक क्रम ले रही हैं। लगातार एक ही राज्य में इस प्रकार की घटनाएं घटती हैं। वहां संवेदनहीनता इतनी चरम पर है, लापरवाही इतनी चरम पर है, भ्रष्टाचार इतना भयानक है। मैं आपसे संरक्षण चाहता हूं कि महामहिम के इस कार्यक्रम में जो लापरवाही हुई है, जो अपमान हुआ है, चाहे वह शहीदों का हुआ हो, उस पर सख्त कार्यवाही करने की जरूरत है। अगर आप आवश्यकता समझती हैं तो आसन इस पर निर्देश दे। आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री सुधीर गुप्ता,

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्रीमती रीती पाठक,

कुमारी शोभा कारान्दलाजे,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र और

श्री रोड़मल नागर को श्री प्रह्लाद सिंह पटेल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।